

# हिंदी साहित्य मार्गदर्शन

TRANSFORMING LIVES

🏠 > Chanakya Neeti > Chanakya Quotes > आचार्य चाणक्य > चाणक्य नीति > चाणक्य सूत्र

## चाणक्य नीति [ हिंदी में ] : पांचवा अध्याय | Chanakya Neeti [In Hindi]: Fifth Chapter

👤 Nisheeth Ranjan 📅 11:15 AM 💬 10 comments



Chanakya Hindi Quotes-Hindi Chanakya Neeti

ब्राह्मणों को अग्नि की पूजा करनी चाहिए . दुसरे लोगों को ब्राह्मण की पूजा करनी चाहिए . पत्नी को पति की पूजा करनी चाहिए तथा दोपहर के भोजन के लिए जो अतिथि आये उसकी सभी को पूजा करनी चाहिए .

Agni is the worshipable person for the twice born; the *brahmana* for the other castes; the husband for the wife; and the guest who comes for food at the midday meal for all.

सोने की परख उसे घिस कर, काट कर, गरम कर के और पीट कर की जाती है. उसी तरह व्यक्ति का परीक्षण वह कितना त्याग करता है, उसका आचरण कैसा है, उसमे गुण कौनसे है और उसका व्यवहार कैसा है इससे होता है.

As gold is tested in four ways by rubbing, cutting, heating and beating -- so a man should be tested by these four things: his renunciation, his conduct, his qualities and his actions.

यदि आप पर मुसीबत आती नहीं है तो उससे सावधान रहे. लेकिन यदि मुसीबत आ जाती है तो किसी भी तरह उससे छुटकारा पाए.

A thing may be dreaded as long as it has not overtaken you, but once it has come upon you, try to get rid of it without hesitation.

अनेक व्यक्ति जो एक ही गर्भ से पैदा हुए हैं या एक ही नक्षत्र में पैदा हुए हैं वे एकसे नहीं रहते. उसी प्रकार जैसे बेर के झाड़ के सभी बेर एक से नहीं रहते.

Though persons be born from the same womb and under the same stars, they do not become alike in disposition as the thousand fruits of the *badari* tree.

वह व्यक्ति जिसके हाथ स्वच्छ हैं कार्यालय में काम नहीं करना चाहता. जिस ने अपनी कामना को ख़तम कर दिया है, वह शारीरिक श्रृंगार नहीं करता, जो आधा पढ़ा हुआ व्यक्ति है वो मीठे बोल बोल नहीं सकता. जो सीधी बात करता है वह धोका नहीं दे सकता.

He whose hands are clean does not like to hold an office; he who desires nothing cares not for bodily decorations; he who is only partially educated cannot speak agreeably; and he who speaks out plainly cannot be a deceiver.

मूढ़ लोग बुद्धिमानों से इर्ष्या करते हैं. गलत मार्ग पर चलने वाली औरत पवित्र स्त्री से इर्ष्या करती है. बदसूरत औरत खुबसूरत औरत से इर्ष्या करती है.

The learned are envied by the foolish; rich men by the poor; chaste women by adulteresses; and beautiful ladies by ugly ones.

खाली बैठने से अभ्यास का नाश होता है. दुसरो को देखभाल करने के लिए देने से पैसा नष्ट होता है. गलत ढंग से बुवाई करने वाला किसान अपने बीजों का नाश करता है. यदि सेनापति नहीं है तो सेना का नाश होता है.

Indolent application ruins study; money is lost when entrusted to others; a farmer who sows his seed sparsely is ruined; and an army is lost for want of a commander.

अर्जित विद्या अभ्यास से सुरक्षित रहती है.  
घर की इज्जत अच्छे व्यवहार से सुरक्षित रहती है.  
अच्छे गुणों से इज्जतदार आदमी को मान मिलता है.  
किसीभी व्यक्ति का गुस्सा उसकी आँखों में दिखता है.

Learning is retained through putting into practice; family prestige is maintained through good behavior; a respectable person is recognized by his excellent qualities; and anger is seen in the eyes.

धर्म की रक्षा पैसे से होती है.  
ज्ञान की रक्षा जमकर आजमाने से होती है.

राजा से रक्षा उसकी बात मानने से होती है.  
घर की रक्षा एक दक्ष गृहिणी से होती है.

Religion is preserved by wealth; knowledge by diligent practice; a king by conciliatory words; and a home by a dutiful housewife.

जो वैदिक ज्ञान की निंदा करते हैं, शास्त्र सम्मत जीवनशैली की मजाक उड़ाते हैं, शांतिपूर्ण स्वभाव के लोगों की मजाक उड़ाते हैं, बिना किसी आवश्यकता के दुःख को प्राप्त होते हैं.

Those who blaspheme Vedic wisdom, who ridicule the life style recommended in the *satras*, and who deride men of peaceful temperament, come to grief unnecessarily.

दान गरीबी को खत्म करता है. अच्छा आचरण दुःख को मिटाता है. विवेक अज्ञान को नष्ट करता है. जानकारी भय को समाप्त करती है.

Charity puts an end to poverty; righteous conduct to misery; discretion to ignorance; and scrutiny to fear.

वासना के समान दुष्कर कोई रोग नहीं. मोह के समान कोई शत्रु नहीं. क्रोध के समान अग्नि नहीं. स्वरूप ज्ञान के समान कोई बोध नहीं.

There is no disease (so destructive) as lust; no enemy like infatuation; no fire like wrath; and no happiness like spiritual knowledge.

व्यक्ति अकेले ही पैदा होता है. अकेले ही मरता है. अपने कर्मों के शुभ अशुभ परिणाम अकेले ही भोगता है. अकेले ही नरक में जाता है या सद्गति प्राप्त करता है.

A man is born alone and dies alone; and he experiences the good and bad consequences of his *karma* alone; and he goes alone to hell or the Supreme abode.

जिसने अपने स्वरूप को जान लिया उसके लिए स्वर्ग तो तिनके के समान है. एक पराक्रमी योद्धा अपने जीवन को तुच्छ मानता है. जिसने अपनी कामना को जीत लिया उसके लिए स्त्री भोग का विषय नहीं. उसके लिए सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड तुच्छ है जिसके मन में कोई आसक्ति नहीं.

Heaven is but a straw to him who knows spiritual life (Krsna consciousness); so is life to a valiant man; a woman to him who has subdued his senses; and the universe to him who is without attachment for the world.

जब आप सफ़र पर जाते हो तो विद्यार्जन ही आपका मित्र है. घर में पत्नी मित्र है. बीमार होने पर दवा मित्र है. अर्जित पुण्य मृत्यु के बाद एकमात्र मित्र है.

Learning is a friend on the journey; a wife in the house; medicine in sickness; and religious merit is the only friend after death.

समुद्र में होने वाली वर्षा व्यर्थ है. जिसका पेट भरा हुआ है उसके लिए अन्न व्यर्थ है. पैसे वाले आदमी के लिए भेट वस्तु का कोई अर्थ नहीं. दिन के समय जलता दिया व्यर्थ है.

Rain which falls upon the sea is useless; so is food for one who is satiated; in vain is a gift for one who is wealthy; and a burning lamp during the daytime is useless.

वर्षा के जल के समान कोई जल नहीं. खुदकी शक्ति के समान कोई शक्ति नहीं. नेत्र ज्योति के समान कोई प्रकाश नहीं. अन्न से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं.

There is no water like rainwater; no strength like one's own; no light like that of the eyes; and no wealth more dear than food grain.

निर्धन को धन की कामना. पशु को वाणी की कामना. लोगो को स्वर्ग की कामना. देव लोगो को मुक्ति की कामना.

The poor wish for wealth; animals for the faculty of speech; men wish for heaven; and godly persons for liberation.

सत्य की शक्ति ही इस दुनिया को धारण करती है. सत्य की शक्ति से ही सूर्य प्रकाशमान है, हवाए चलती है, सही में सब कुछ सत्य पर आश्रित है.

The earth is supported by the power of truth; it is the power of truth that makes the sunshine and the winds blow; indeed all things rest upon truth.

लक्ष्मी जो संपत्ति की देवता है, वह चंचला है. हमारी श्वास भी चंचला है. हम कितना समय जियेंगे इसका कोई ठिकाना नहीं. हम कहा रहेंगे यह भी पक्का नहीं. कोई बात यहाँ पर पक्की है तो यह है की हमारा अर्जित पुण्य कितना है.

The Goddess of wealth is unsteady (*chanchala*), and so is the life breath. The duration of life is uncertain, and the place of habitation is uncertain; but in all this inconsistent world religious merit alone is immovable.

आदमियों में नाई सबसे धूर्त है. कौवा पक्षियों में धूर्त है. लोमड़ी प्राणीयो में धूर्त है. औरतो में लम्पट औरत सबसे धूर्त है.

Among men the barber is cunning; among birds the crow; among beasts the jackal; and among women, the *malin* (flower girl).

ये सब आपके पिता है...१. जिसने आपको जन्म दिया. २. जिसने आपका यज्ञोपवित संस्कार किया. ३. जिसने आपको पढ़ाया. ४. जिसने आपको भोजन दिया. ५. जिसने आपको भयपूर्ण परिस्थितियों में बचाया.

These five are your fathers; he who gave you birth, girdled you with sacred thread, teaches you, provides you with food, and protects you from fearful situations.

इन सब को आपनी माता समझें .१. राजा की पत्नी २. गुरु की पत्नी ३. मित्र की पत्नी ४. पत्नी की माँ ५. आपकी माँ.

These five should be considered as mothers; the king's wife, the preceptor's wife, the friend's wife, your wife's mother, and your own mother.

## चौथा अध्याय

## छठवां अध्याय

**To read the translation of all the chapters of Chanakya Neeti In Hindi you can navigate to the following link which has the compilation of all the chapters in Hindi.**

### ❶ सम्पूर्ण चाणक्य नीति [ हिंदी में ] | Complete Chanakya Neeti In Hindi

Note: Some thoughts of Chanakya may be offensive to women, or to Hindus born in so called low caste. I believe in complete equality between man and woman and we detest the Hindu caste system. We have decided to publish his thoughts exactly as written by Acharya Chanakya. We apologize to women, and to anyone else, who may be offended.

📁 Categories: Chanakya Neeti 55 Chanakya Quotes 52 आचार्य चाणक्य 21 चाणक्य नीति 21  
चाणक्य सूत्र 23

Newer Post

Older Post

◀ (http://www.hindisahityadarpan.in/2011/11/chanakya-neeti-in-hindi-seventh-chapter.html) (http://www.hindisahityadarpan.in/2011/10/chanakya-neeti-in-hindi-fourth-chapter.html) ▶

## POST A COMMENT



Rajan007

12/10/2012 3:45 PM

Its really good

↩ Reply



ankit parashar

1/22/2013 3:27 PM

padho to kuch asa

↩ Reply



Anonymous

6/06/2013 7:48 PM

Read chankiya niti then follow the in our life

↩ Reply



Surender Kumar

7/31/2013 1:10 PM

nice yaar Chanakya

↩ Reply



mahesh

9/18/2013 10:19 PM

really nice words and informative blog i like chanakya neeti

↩ Reply



Multitex Grn

12/10/2013 9:56 AM

jivan mein utarne ke liye?

↩ Reply



rahul rajdhan

2/01/2014 4:26 AM

amrit tulya

↩ Reply



Deep Sarkar

2/24/2014 1:16 PM

I'm afraid I find some of his ideas here quite chauvinistic and outdated...nevertheless,on the whole, his words speak of worldly truths.

↩ Reply



lovey jaiswal

6/08/2014 7:37 AM

Chanakya niti is great

Iska palan kre to jivan me kbhi bhi fail nhi ho skte

↩ Reply



SACHIN MALI

12/10/2014 2:43 PM

dear deep sarkar

chanakya niti samazana kisi amuli vichardhara ka kam nahi uska arth sahi lagaye wah nichit outdated nahi.

↩ Reply

आपकी टिप्पणियाँ एवं प्रतिक्रियाएँ हमारा उत्साह बढ़ाती हैं और हमें बेहतर होने में मदद करती हैं !! अपनी प्रतिक्रियाएँ हमें बेझिझक दें !!

## 😊 Emoticon

Enter your comment...

Comment as: Unknown (Google) ▼

Sign out

Publish

Preview

☐ Notify me